संस्कृतमधुगीतगुञ्जनम्

विजयदशमी
(आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी)
वि.सं.-2064
दिनाङ्क-21-10-2007 ई.

रचयिता-डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्तः
से.नि. आचार्यः संस्कृतविभागाध्यक्ष
शा.कमलाराजाकन्यास्नातकोत्तरस्वशासी
महाविद्यालयः, ग्वालियरम् (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

- कृति - ''संस्कृतमधुगीतगुञ्जनम्''
- कृतिकार - डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त,
  सेवा निवृत्त आचार्य एवं अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग,
  शा. कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,
  ग्वालियर (म.प्र.)
- प्रकाशक - डॉ. राजेश गुप्त,
  आत्मज डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त
  श्रीमती लक्ष्मीदेवी गुप्ता भवन,
  उद्योग विभाग के पास, सिविल लाइन्स,
  दतिया (म.प्र.) फोन-(07522)-235343
  मो.-98262-49448
- प्रथम संस्करण - विजयदशमी
  (आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी)
  वि.सं.-2064
  दिनाङ्क-21-10-2007 ई.
- मूल्य - पचास रुपये मात्र
- मुद्रक - भानू ऑफसेट प्रिन्टर्स,
  मुड़ियन का कुंआ, दतिया (म.प्र.)
  फोन-(07522) 233206

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

क्र.	गीत	पृ.क्र.
1.	चित्तं रञ्जय वीणावादिनि	1
2.	सा वन्दनीया मम मातृभूमिः	2
3.	कथयति सर्वान् भारतमाता	3
4.	भारतमाता ननु प्रबोधयति	4
5.	सुसेवनीया स्वमातृभूमिः	5
6.	जयतु मातृभूमिः सुभारती	6
7.	जयतु जयतु ननु भारतमाता	7
8.	मा विस्मर त्विह धरामातरम्	8
9.	प्रथमं ननु हि नमामि भारतम्	9
10.	भारतभूमिः सर्वदा जयतु	10
11.	स्वर्गस्वरूपः भारतदेशः	11
12.	संस्कृतभाषा ननु पठनीया	12
13.	श्रेष्ठा ज्येष्ठा संस्कृतभाषा	13
14.	संस्कृतभाषामेव प्रचारय	14
15.	सुचिन्तनीया हि देवभाषा	15
16.	अतिरमणीया संस्कृतभाषा	16
17.	सम्यक् पठनीयं हि संस्कृतम्	17
18.	पठनीया ननु संस्कृतभाषा	18
19.	संस्कृतभाषा प्रचारणीया	19
20.	पठतु संस्कृतं राष्ट्रं धारय	20
21.	प्ररक्षणीया संस्कृतभाषा	21
22.	संस्कृतं मानवान् शिक्षयति सर्वदा	22
23.	कुत्रगतं ह्यधुना हि संस्कृतम्!	23
24.	शिक्षा का? ननु शुभमाचरणम्	24
25.	शिक्षा का? इति सुष्ठु विचारय	25
26.	ननु संधारय जीवनमूल्यम्	26
27.	ये प्रमादिनः दुराचारिणः	27
28.	सदाचारहीनास्तु नराः ये	28
29.	विना सदाचरणं यत्ज्ञानम्	29
30.	सदाचारहीनाः ये जनाः	30
31.	आचरणीयं शुभमाचरणम्	31
32.	धन्याः शुभकर्तव्यरताः ये	32
33.	श्रेयसेऽस्ति सन्मार्ग गमनम्	33
34.	सः दस्युः यो हि कर्मचौरः	34
35.	मोहं त्यज नर! त्यजाभिमानम्	35
36.	सुज्ञानं कर्त्तव्यपालनम्	36
37.	कर्त्तव्यं कुरु कुरु कर्तव्यम्	37
38.	साधयन्तु सज्जनाः स्वकार्यम्	38
39.	कर्म एव धर्मः, सुविचारय	39
40.	कर्मफलं भोक्तव्यमवश्यम्	40
41.	ननु सत्कर्म हि शरणम्	41
42.	अकर्मण्यतायां रतः यः	42
43.	आलस्यं त्यज, त्यज ह्यालस्यम्	43
44.	मा विस्मर कर्त्तव्यपालनम्	44
45.	मानव! भज भज हृदि मानवताम्	45
46.	मानव! त्वं न कमपि संत्रासय	46
47.	प्रथमं 'मानव' इति भवितव्यः	47
48.	मानव! स्वार्थं त्यज त्यज	48
49.	मानव! नूनं लभस्व ज्ञानम्	49
50.	आत्मानं त्ववलोकय	50
51.	अभिमानः विनाशयति मनुजम्	51
52.	निर्गच्छतु दर्पस्य भावना	52
53.	अभिमानं तु विदारय	53
54.	मा कुरु संसारे ह्यासक्तिम्	54
55.	श्रेयस्करी श्रमस्य साधना	55
56.	विश्वेऽस्मिन् सः प्रियः मानवः	56
57.	अपनेया हेया हि याचना	57
58.	चिन्तय शिक्षायाः महत्त्वम्	58
59.	हा!हा! कुत्र गता ह्युदारता	59
60.	यो हि जनः संस्कारविहीनः	60
61.	चित्! त्वं चेतय चेतय चेतय	61
62.	जगदाधारः ज्ञानम्	62
63.	मनसि धारयसि कां गतिं त्वम्?	63
64.	धैर्यं परमं मित्रम्	64
65.	आगच्छतु ह्यधुना श्रीरामः	65
66.	ईश्वर! अधुना मामुद्धारय	66

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

क्र.	गीत	पृ.क्र.
67.	हे ईश्वर! मामधुना रक्षय	67
68.	सदा भवेत् हरेः सुस्मरणम्	68
69.	प्रतिक्षणं कुरु हरिसुस्मरणम्	69
70.	शब्दः ब्रह्माकारः	70
71.	आत्मानं भज, मानवमधुकर!	71
72.	मानव! निजदोषानवलोकय	72
73.	आनन्दं ह्यनुभव, हे मानव!	73
74.	देहि प्रभो! सुमतिं हि केवलम्	74
75.	जगदीश्वर! दुर्मतिं निवारय	75
76.	दुर्बुद्धिं तु विनाशय, भगवन्!	76
77.	ईश्वर! ममहृदयं विस्तारय	77
78.	मह्यं देहि प्रभो! सत्सङ्गम्	78
79.	गुरुश्रेष्ठा ननु जननी	79
80.	गुरुणां गुरुरेव स्वमाता	80
81.	कुर्यात् नारीणां सम्मानम्	81
82.	कुलनियोजनं सम्यक् कार्यम्	82
83.	येषां गृहे तु बहुसन्ततयः	83
84.	श्रेष्ठो भवति हि लघुपरिवारः	84
85.	मानवजात्यां न कोऽपि भेदः	85
86.	कस्मादियं विभेदभावना	86
87.	नराणां ननु जयतु ह्यभेदः	87
88.	माये! व्यूहं निजमपसारय	88
89.	माये! स्वबन्धनानि प्रमोचय	89
90.	माये! तव चरणौ प्रणमामि	90
91.	माये! तव चरणौ प्रणमामि	91
92.	कुरुसुपावनं पर्यावरणम्	92
93.	कुरु सुपावनं पर्यावरणम्	93
94.	महती हिंसा वृक्षकर्तनम्	94
95.	एते पादपाः मोदन्ते	95
96.	मानवानां कृते पादपः पाठयति	96
97.	कृषक ! त्वमेव विधाता	97
98.	हे वसन्त! तव शुभमागमनम्	98
99.	रम्यो मेघः वर्षतु	99
100.	विद्या मन्दि णि विस्तारय	
101.	रचयतु विद्यागानम्	
102.	विद्यामन्दिराणि विस्तारय	
103.	विद्या सा या मुक्तिं यच्छति	
104.	तदा भवति भगवतो दर्शनम्	
105.	श्रेयसेऽस्ति नूनं स्वतन्त्रता	
106.	सत्यमेव परमेशः	
107.	ईश्वररूपं सत्यम्	
108.	शिष्टां वाणीं सदा प्रयोजय	
109.	भाति शोभना मधुरावाणी	
110.	श्रेष्ठः मन्त्रः मौनम्	1
111.	श्रेष्ठतपः जानीहि सुमौनम्	1
112.	गुरुगण! निजगौरवमवधारय	1
113.	श्लाघ्यः ननु नेता नीतिज्ञः	1
114.	चातक! व्यर्थं व्रतानुचरणम्	1
115.	वायस! किमर्थन्नु संग्रहणम्	1
116.	शमय नर! मनः कीरम्	1
117.	प्रभो! ददातु सुबुद्धिं मह्यम्	1
118.	दुर्बुद्धिं हि विदारय, भगवन्	
119.	मह्यं विनयं ननु देहि, प्रभो!	
120.	भगवन्! त्वमेव मामनुशिक्षय	
121.	भगवन्! जगति त्वां पश्यामि	
122.	हे प्रभो! याचना मेऽस्तिनूनं त्वियम्	
123.	भगवन्! भवतः महदुपकारः	
124.	प्रभो! देहि सुमतिं हि केवलम्	
125.	हे शिव! मम मोहं संहारय	
126.	समयः त्वस्माकं सन्मित्रम्	
127.	कालः नृत्यति शिरसि प्राणिनाम्	1
128.	कालः तस्य तु किन्नु करिष्यति?	
129.	कालः निरवधिरेवं गच्छति	
130.	जयति सर्वदा ह्येषः कालः	

Scanned with CamScanner

जीवन-परिचय

1.	नाम	:	डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त
2.	पिता का नाम	:	श्री रामभरोसे गुप्त
3.	जन्मतिथि	:	21.01.1944 (इक्कीस जनवरी सन् उन्नीस सौ चवालीस ई.)
4.	जन्म स्थान	:	तालबेहट, जिला ललितपुर (उ.प्र.)
5.	वर्तमान निवास	:	श्रीमती लक्ष्मीदेवी गुप्ता भवन, उद्योग विभाग के पास, सिविल लाइन्स, दतिया (म.प्र.)-475661
6.	शिक्षा	:	एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी), पीएच.डी., स्वर्णपदक प्राप्त।
7.	व्यवसाय	:	सेवानिवृत्त आचार्य एवं अध्यक्ष (संस्कृत विभाग) उच्च शिक्षा, म.प्र. शासन, सेवानिवृत्ति जनवरी 2006, शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.) से।
8.	रुचि	:	अध्यापन, साहित्य सर्जना एवं शोध निर्देशन में।
9.	रचनाएँ	:	● प्रकाशित-सरदार पटेल (काव्य), 'इन्दिरा शतक' (काव्य), बजरंग विनय (काव्य), हनुमत् शरणागति (काव्य), संस्कृतमधुगीतगुञ्जनम्। ● अप्रकाशित पुस्तकें-मायावती (उपन्यास), भरतकाव्य, वीर शिवाजी महाकाव्य, गुरु गोविन्द सिंह के दो बालक (काव्य), श्रीमती का सैकड़ा (व्यंग्य रचनायें), कुण्डली कुञ्ज, दोहा शतक, प्रफुल्लित प्रसून (कविता संग्रह), जय भारत (कविता संग्रह), अनेक स्फुट रचनायें।
10.	शोध-ग्रन्थ	:	''बाल्मीकि रामायण में राजनीतिक तत्त्व'' (प्रकाशित-ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली)। तीस से अधिक शोध लेख प्रकाशित।
11.	सम्पादन	:	संस्कृत सुधा, भाग-दो, संस्कृत-''दतिया काव्य धारा'' भाग-1, भाग-2.
12.	विशेष	:	''कल्याण'' पत्रिका (गोरखपुर), मध्यप्रदेश संदेश, परिषद् पत्रिका (शोध त्रैमासिक, विहार-राष्ट्र-भाषा-परिषद्, पटना), नवनीत, हनुमत् साधना, कल्याण, ''दतिया, उद्भव और विकास'' आदि पत्रिकाओं तथा ग्रन्थों में शोध लेख प्रकाशित। अनेक समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं में कवितायें तथा लेख प्रकाशित। संस्कृतमधुगीतगुञ्जनम् (130 संस्कृत गीतों का संग्रह), आकाशवाणी ग्वालियर से चिन्तन एवं वार्ता प्रसारित।
13.	सम्मान	:	● अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, ग्वालियर शाखा से नाग पंचमी सं. 2022 को सम्मानित। ● अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, महाविद्यालयीन शाखा जिला दतिया से सम्मानित। ● हिन्दी साहित्य सम्मेलन शाखा-दतिया से सम्मानित। ● अध्यक्ष, संस्कृत, अध्ययन मण्डल, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर सन् 1991-92. ● साहित्य सभा मुरैना से सम्मानित, 1993. ● भवभूति मञ्च, ग्वालियर से सम्मानित। ● महामहिम राज्यपाल (म.प्र.) द्वारा 'वागर्थ' सम्मान से 30.08.07 को सम्मानित।
14.	शोध-निर्देशन	:	निर्देशन में 15 (पन्द्रह) शोधार्थियों को पीएच.डी. प्राप्त।
15.	सम्पर्क सूत्र	:	डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त से.नि.प्राध्यापक (संस्कृत) श्रीमती लक्ष्मीदेवी गुप्ता भवन, उद्योग विभाग के पास, सिविल लाइन्स, दतिया (म.प्र.)-475661 फोन-(07522)-235343, (मो.) 98262-49448

Scanned with CamScanner